वार्तालाप 413 हरिपुर-1 (उडीसा), ता. 6.10.07

Disc.CD No.413, dated 06.10.07 at Haripur-1 (Orissa)

समय - 8.33

जिज्ञासू - बाबा, जो पवित्रता बोलते हैं। नारी का भूषण होता है पवित्रता। और जो बाबा मुरली में बताया है कि जो जितना पवित्र होता है वो उतना पूज्य होता है। तो जो ये पवित्रता है, इसको विस्तार से थोड़ा समझाइए। मतलब जैसे - बात में पवित्रता, संकल्प में पवित्रता, धारणा में सब कुछ। इसका गहराई अर्थ।

Time: 8.33
Someone asked: Baba, people talk about purity. Purity is the decoration of a woman. And Baba it has been said in the Murli that the more someone is pure, the more worship worthy he is. So, please explain about this purity in detail. I mean to say – for example, purity in words, purity in thoughts, (purity) in inculcations, everything. (Please explain) its meaning in depth.

बाबा - जो आत्मा जन्म-जन्मांतर 84 जन्म एक के साथ पवित्र संस्कार में रही होगी अन्य कोई परपुरूष या परस्त्री का वरन नहीं किया। एक ही आत्मा के साथ जिसका संसर्ग, संपर्क, संबंध रहा होगा पति-पत्नी के रूप में। उसके संस्कारों में और एक आत्मा जिसका सेकडों के साथ अनेक जन्मों में संबंध रहा होगा उसके संकल्पों में और संस्कारों में अंतर रहेगा या नहीं रहेगा? जिज्ञासू - रहेगा।

Baba said: Will there be a difference or not between the sanskars of a soul, who has had pure sanskars of being with one for 84 births, who did not accept any other man or woman, who had maintained closeness, contact, relationship in the form of a husband or a wife with only one soul and the sanskars and thoughts of a soul which has had relationships with hundreds of souls in the many births t?
Someone said: There will be (a difference).

बाबा - वाचा में भी अंतर पड़ जावेगा, वायब्रेशन में भी अंतर पड़ जावेगा। जो जितना पवित्र रहेगा संगमयुग में एक शिवबाबा दूसरा न कोई। वो आत्मा उतनी ही अनेक जन्मों में सुखी रहेगी। और जितनी जास्ती आत्माओं के साथ बुद्धि का कनेक्शन जुटे, वाचा का कनेक्शन जुटे, कर्मेन्द्रियों का कनेक्षन जुटे, उतना ही जास्ती वैश्यालय का अर्थात् दुःख का अनुभव करेगी। तो विस्तार में जाने की जरूरत ही नहीं है। कितना सार समझ लें? एकै साधे सब सधै। बहुतों का आधार लेंगे तो जरूर बहुत नीचे गिरावेंगे। एक का आधार लेंगे तो ऊँचा उठावेगा।

Baba said: There will be a difference in the words as well as the vibrations. A soul will remain happy for as many births as it remains pure in the Confluence Age, one Shivbaba and none else. And the more one has a connection of the intellect, connection of words, connection of bodily

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

organs with more number of souls, the more it will experience a brothel, i.e. sorrows. So, there is no need to go in detail at all. What is the essence that we should understand? *Ekai saadhey sab sadhai* (by pursuing 'one', we can achieve everything) If we take the support of many, then they will certainly make us fall very down. If we take the support of 'one', then He will enable us to rise.

समय - 40.55

जिज्ञासू - बाबा, अतीन्द्रिय सुख क्या है?

बाबा - अतीन्द्रिय सुख उसे कहा जाता है जिसमें इन्द्रियों के सुख की दरकार ही न रहे। इन्द्रियों से अतीत का सुख। अभी जो सुख मिल रहा है वो इन्द्रियों के द्वारा मिलता है। इन्द्रियों का संबंध, संपर्क जुटता है तो सुख मिलता है। जंगल में चले जाते है तो इन्द्रियों का सुख अनुभव में नहीं आता है; लेकिन फिर क्या होगा? इन्द्रियों के सुख की परवाह नहीं रहेगी। इन्द्रियों से परे का सुख भोगेंगे। उसके लिए मन परिपूर्ण स्टेज में होना चाहिए और अव्यभिचारी होना चाहिए। एक शिवबाबा दूसरा न कोई।

Time: 40.55

Someone asked: Baba, what is super sensuous joy (*ateendriy sukhh*)?

Baba replied: Super sensuous joy is that joy where there is no need of the pleasures of the bodily organs at all. Happiness beyond the bodily organs. The happiness that we are experiencing now is through the bodily organs. We experience happiness when we establish relationship, contact of the bodily organs (with others). If someone goes to the jungle (forest), then one does not experience the pleasures of the bodily organs; but then what will happen? They will not care for the pleasure of the bodily organs. They will enjoy the happiness that is beyond the (reach of the) bodily organs. For that, the mind should be in a perfect stage and it should be unadulterated (*avyabhichaari*). One Shivbaba and none else.

समय - 42.11

जिज्ञासू - द्रौपदी के पाँच पति थे उसका क्लारिफिकेशन क्या है?

बाबा - अभी जो भी ब्रह्माकुमारियाँ है उनके ट्रान्सफर होते है या नहीं होते है? होते हैं। दादी के पास जाते हैं। हमें कोई ब्रह्माकुमारी दो हम सेन्टर खोलेंगे। दादी ब्रह्माकुमारी दे देती है। ब्रह्माकुमारी जाए सेन्टर चलाती है। उसकी रक्षा करने वाला रक्षा करता है। फिर एक सेन्टर से दूसरे सेन्टर में चली जाती है। सच्ची ब्रह्माकुमारी होगी तो ट्रान्सफर करने से डरेगी या ट्रान्सफर करने से नहीं डरेगी? नहीं डरेगी। तो सच्ची2 ब्रह्माकुमारियों का ट्रान्सफर हो रहा है। एक सेन्टर छोड़ करके दूसरे सेन्टर पर चली जाती है। तो वहां उनका खास, कोई विशेष रक्षक होता है कि नहीं? ज़रूर कोई रक्षक होता है और रक्षक को ही पति कहा जाता है। ऐसे अगर चार-पांच सेन्टर भी चेंज कर दिए तो कितने पति हो गए? पांच पति हो गए। बाकी ऐसे नहीं है कि पांच के साथ कोई इन्द्रियों का संबंध जोड़ लिया।...

Time: 42.11

Someone asked: What is the clarification about Draupadi having five husbands?

Baba replied: Are the present Brahmakumaris transferred or not? They are. They (i.e. the students) go to meet the Dadi. Provide us a Brahmakumari; we will open a center. Dadi provides

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

a Brahmakumari. The Brahmakumari goes and runs the center. Her protector protects her. Then she goes from one center to another center. If she is a true Brahmakumari, then will she be afraid of transfers or will she not be afraid of transfers? She will not be afraid of it. So, the true Brahmakumaris are being transferred. They leave one center and go to another center. So, will there be a special protector (*vishesh rakshak*) for her there or not? Certainly there is a protector, and a protector is called husband. If she changes four to five such centers, then how many husbands (i.e. protectors) will she have? She will have five husbands (i.e. protectors). But it is not so that she established a relationship of the bodily organs with the five of them.....

.....ये तो शास्त्रों की बाते उठा करके उल्टी-2 चाल चलने वालों की बातें है। हमारा तो फाउन्डेशन ही प्युरिटी का है। जिनकी नीयत खराब होती है वो इस वाक्य को उठाते है। बाबा ने कहा है ना कि तुम सब द्रौपदियाँ हो। द्रौपदी के तो पांच पति होते हैं ना; इसीलिए हम भी पांच पति बनाते है।

.....These are the versions of those who act in an opposite manner by picking up the versions from the scriptures. Our foundation itself is of purity. Those, whose intention is wrong, pick up this sentence. Baba has said that all of you are Draupadis. Draupadi has five husbands, doesn't she? Therefore we too will make five husbands.

जिज्ञासू - बाबा, तो जो ब्रह्माकुमारी है उनका तो एक बाबा ही पति है।

बाबा - बाबा एक पति ह? बाबा किसे कहा जाता है?

जिज्ञासू - साकार और निराकार के मेल को।

बाबा- कहां है उनका साकार?

जिज्ञासू - जिनके शरीर का आधार लिए है वो है साकार।

बाबा - किनके शरीर का आधार लिए है?

जिज्ञासू - जो अभी राम वाली आत्मा कहा जाता हैं।

Someone said: Baba, for the Brahmakumaris, Baba alone is their husband.
Baba asked: Is Baba their only husband? Who is called Baba?
Someone said: The combination of corporeal and incorporeal.
Baba asked: Where is their corporeal?
Someone said: The corporeal is the one whose body's support has been taken (by Him).
Baba said: Whose body's support has been taken?
Someone said: The one who is called the soul of Ram now.

बाबा - अरे! तो क्या ब्रह्माकुमारियाँ जानती है कि राम वाली आत्मा कौन हैं?

जिज्ञासू- नहीं। उनको नहीं जानती है। वो तो सुप्रीमसोल को जानते हैं।

बाबा - तो सुप्रीमसोल को बाबा कहेंगे?

जिज्ञासू - नहीं। बाप कहते हैं।

बाबा - तो बाप कहते है। बाबा कहां है?

Baba said: Arey! So, do the Brahmakumaris know who the soul of Ram is?
Someone said: No. They do not know him. They know the Supreme Soul.
Baba asked: Will the Supreme Soul be called Baba?
Someone said: No. He is called the Father.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba said: So, He is called the Father. (But) where is He Baba?

जिज्ञासू - वो तो रक्षा करते हैं, तो सेन्टर चेंज करने से कैसे-कैसे दूसरों के...
बाबा - शिवबाबा कहां रक्षा करते है? शिवबाबा है कहां जो रक्षा करते है?
जिज्ञासू - नहीं। जो भी कोई रक्षा करता है।
बाबा - बेसिक नॉलेज में जो भी ब्रह्माकुमारियाँ है उनका शिवबाबा है कहाँ?
जिज्ञासू - तो ब्रह्माबाबा रक्षा करते है।
Someone said: He protects them; so, by changing the center how others....
Baba asked: Does Shivbaba protect? Where is Shivbaba to protect (them)?
Someone said: No. Whoever protects (them).
Baba asked: In the basic knowledge, where is the Shivbaba of the Brahmakumaris?
Someone said: So, Brahma Baba protects them.

बाबा - ब्रह्माबाबा साकार में है कहाँ? बाबा ही नहीं है।
जिज्ञासू - तो कोई भी तो रक्षा करता है ना।
बाबा - तो कोई भी जो रक्षा करता है वो उसके साथ अगर संबंध जुड़ गया इन्द्रियों का तो गलत हुआ या सही हुआ?
जिज्ञासू - नहीं। बाबा, वो तो गलत हुआ।
Baba said: Where is Brahma Baba in a corporeal form? There is no Baba at all.
Someone said: Even then someone protects them, doesn't he?
Baba asked: So, whoever protects, if the connection of the organs is established with him, then is it wrong or correct?
Someone said: No. Baba, that is wrong.

बाबा - तो गलत इसीलिए होता है कि - बाबा ने मुरली में बोला है एक शिवबाबा दूसरा न कोई। अगर इन्द्रियों का कनेक्शन जोड़ना है पत्नी को तो किसके साथ जोडे? एक पति के साथ। और ये आँखे इन्द्रियाँ है या नहीं? आँखे (आँखों) को इन्द्रियाँ कहें या नहीं? इन्द्रियाँ है। और आँखे सबसे जास्ती धोखेबाज़ हैं। तो जो आँखे सबसे जास्ती धोखेबाज़ है उनकी सबसे जास्ती सम्भाल करनी चाहिए या जात- जाति के पुरूषों के साथ दृष्टि लेना या देना चाहिए? किसी मुरली में तो बोला नहीं (है)। ये तो देहधारियों ने चलन चला दी कि ऐसा करेंगे तो इसको राजयोग कहेंगे; परंतु ये तो राजयोग नहीं है। राजयोग तो सिवाए एक के और कोई दूसरा सिखाय नहीं सकता।...
Baba said: So, it is wrong because Baba has said in the Murli, "One Shivbaba and none else." If a wife has to establish connection of the bodily organs, then with whom should she establish? With one husband alone. And are these eyes organs or not? Can we call the eyes organs or not? They are organs. And the eyes are the most deceitful ones. So, should the eyes, which are the most deceitful ones, be taken care of more than anything else or should she exchange glances with various kinds of men? It has not been said in any Murli. It is the bodily beings who have started this tradition that if you act like this (i.e. give *drishti*) then it will be called Rajyog. But this is not *Rajyog*. Except one no one else can teach *Rajyog*…

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

...ऐसी कोई भी मनुष्य आत्माओं में ताकत नहीं है। जो सबसे धोखेबाज़ इन्द्रियों का संसर्ग-संपर्क करता रहे और उसके संग का रंग उसको न लगे। एक शिव ही है जो दृष्टि से सारी सृष्टि को सुधारता है। वो ही सच्चा पति है, पतियों का भी पति है। इसीलिए और तो सब गड्ढे में ले जाऐंगे। कोई पति नहीं है। हाँ, ब्रह्माकुमारी के ऊपर है। कोई अगर सच्ची ब्रह्माकुमारी होगी तो कही भी उसको छोड़ दिया जाए। अफ्रीका जैसे बौनों के देष में छोड़ दिया जाए। तो भी वो विकारी नहीं बनेगी। सब तरह के पत्ते है 500-700 करोड़ पत्ते हैं। वैरायटी झाड़ है। उसमें ऐसी भी आत्माएं निकलेंगी जो जन्म-जन्मांतर एक के साथ निभाने वाली होंगी।

.....No human soul has the power, that he continues to have connection and contact with the most deceitful organs (i.e. the eyes) and (yet) he is not coloured by its company. It is Shiv alone, who reforms the entire world through vision. He is the true husband (*pati*), the husband of husbands. Therefore all others will take you into a pit (i.e. cause your downfall). Nobody is a husband (protector). Yes, it depends on the Brahmakumari. If someone is a true Brahmakumari, she may be sent anywhere. She may be sent to a country of dwarfs like Africa, even then she will not become vicious. There are all kinds of leaves; there are 500-700 crore leaves. It is a variety tree. In that, such souls will also emerge which maintain (faithful) relationship with one for many births.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info